है भाव के भूखे भगवन | By Sardar Romi |

है भाव के भूखे भगवन,
ये वेद बताते हैं,
ये वेद बताते हैं।
जब भक्त पुकारे प्रेम से,
प्रभु दौड़े आते हैं,
प्रभु दौड़े आते हैं।।

कोई भावना से ज्योत को,
जला को देख ले,
है बोलती ये मूर्ति,
बुला के देख ले।
ये कौन सी भाषा में बोले,
ज्ञान भी तो हो।
सुनने को बात इनकी,
तेरे कान भी तो हो।
संत मुनि सब मिलकर,
हमको राह दिखाते हैं,
हमको राह दिखाते हैं।
जब भक्त पुकारे प्रेम से,
प्रभु दौड़े आते हैं,
प्रभु दौड़े आते हैं।।

भीलनी के बैरो की खातिर,
है घूम रहे श्री राम,
विप्र सुदामा के तंदुल,
फिर खोज रहे घनश्याम।
भक्तों से मिलने का रहता,
प्रभु को भी भारी चाव।
कोई प्रेम से बुलाए तो,
प्रभु आते नग्न पाँव।
प्रभु अपने भोले भक्तों पर,
तो प्रेम लुटाते हैं,
प्रेम लुटाते हैं।
जब भक्त पुकारे प्रेम से,
प्रभु दौड़े आते हैं,
प्रभु दौड़े आते हैं।।

है भावना तेरी प्रबल तो,
क्यों घबराता है,
प्रेम तुझको श्याम के,
नज़दीक लाता है।
नरसी-सी हो श्रद्धा,
अगर नानी-सी भक्ति हो।
कर्मा के धीरज के जैसी,
गर तुझमें शक्ति हो।
कहता 'रोमी' विदुरानी का,
ये साथ निभाते हैं,

ये साथ निभाते हैं।
जब भक्त पुकारे प्रेम से,
प्रभु दौड़े आते हैं,
प्रभु दौड़े आते हैं।।

है भाव के भूखे भगवन,
ये वेद बताते हैं,
ये वेद बताते हैं।
जब भक्त पुकारे प्रेम से,
प्रभु दौड़े आते हैं,
प्रभु दौड़े आते हैं।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%b5-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a5%82%e0%a4%96%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a4%97%e0%a4%b5%e0%a4%a8-by-sardar-romi/